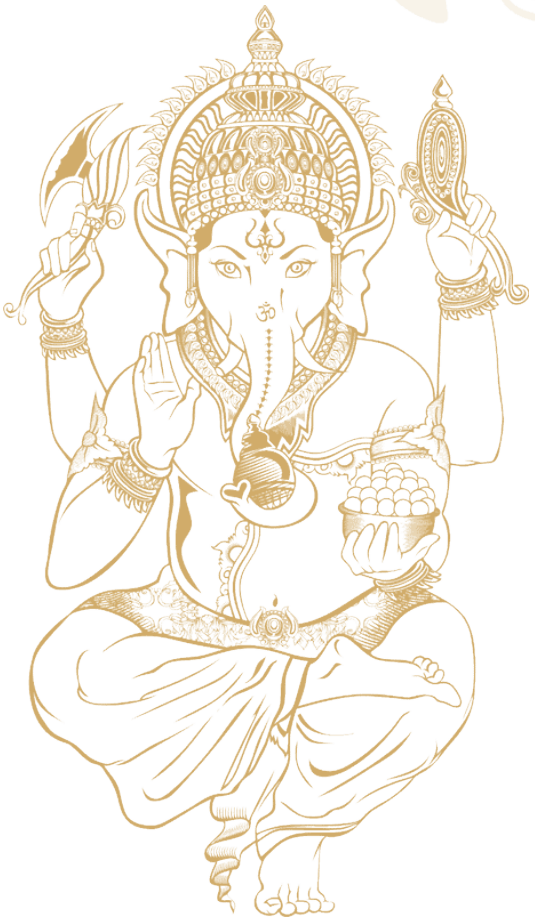

Naveen

Anjali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121626004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/09/2003	जन्म तिथि	20-21/10/2005
बुधवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 06:25:00	जन्म समय	03:30:00 घंटे
घटी 00:58:16	जन्म समय(घटी)	52:43:30 घटी
India	देश	India
Kherli	स्थान	Jaipur
27:12:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
77:02:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:52	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:41	सूर्योदय	06:29:07
18:41:40	सूर्यास्त	17:53:36
23:54:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:12

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 9वर्ष 8मा 12दि	20:33:47	सिंह	लग्न	सिंह	22:56:20	चन्द्र 5वर्ष 0मा 16दि
बुध	16:13:55	सिंह	सूर्य	तुला	03:40:16	राहु
16/05/2013	09:51:31	वृश्चि	चंद्र	वृष	16:36:28	06/11/2017
16/05/2030	09:43:38	कुंभ व	मंगल व	मेष	26:48:35	06/11/2035
बुध 13/10/2015	00:55:05	कन्या व	बुध	तुला	23:52:46	राहु 19/07/2020
केतु 09/10/2016	07:32:25	सिंह	गुरु	तुला	04:55:49	गुरु 13/12/2022
शुक्र 10/08/2019	20:25:07	सिंह	शुक्र	वृश्चि	20:07:04	शनि 19/10/2025
सूर्य 15/06/2020	16:53:22	मिथु	शनि	कर्क	16:24:40	बुध 07/05/2028
चन्द्र 15/11/2021	29:31:01	मेष	राहु व	मीन	19:38:11	केतु 25/05/2029
मंगल 12/11/2022	29:31:01	तुला	केतु व	कन्या	19:38:11	शुक्र 25/05/2032
राहु 31/05/2025	06:33:12	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	13:11:09	सूर्य 19/04/2033
गुरु 06/09/2027	17:07:26	मक व	नेप व	मक	20:53:25	चन्द्र 19/10/2034
शनि 16/05/2030	23:20:14	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	28:30:20	मंगल 06/11/2035

लग्न-चलित

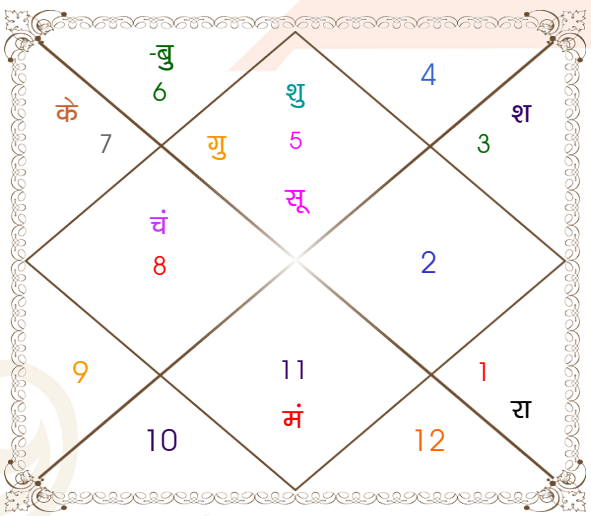

लग्न-चलित

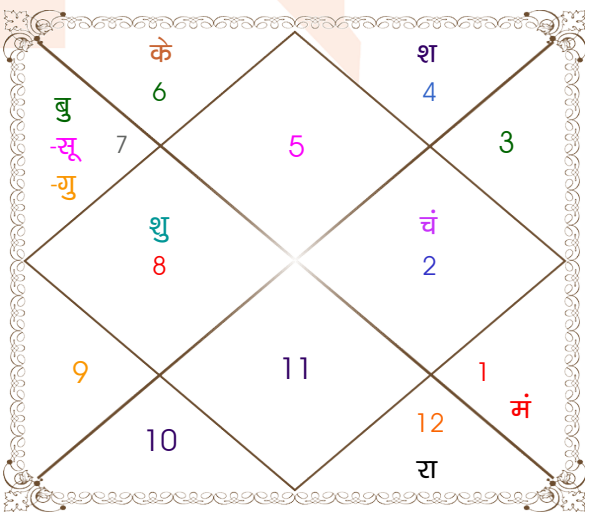

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Naveen का वर्ग सर्प है तथा Anjali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Anjali का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Naveen कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Anjali मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naveen तथा Anjali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।